राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 333 | जौनपुर | बुधवार, 23 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

चुनावी सत्यापन पर बंटा सिस्टम, ईसी ने सुप्रीम कोर्ट को गिनाई दस्तावेजों की खामियां

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का बचाव करते हुए सर्वोच्च न्यायालय से कहा कि आधार, मतदाता पहचान पत्र या राशन कार्ड को मतदाता पात्रता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है और नागरिकता का प्रमाण मांगने के अपने संवैधानिक अधिकार पर जोर दिया। सोमवार शाम को प्रस्तुत एक विस्तृत हलफनामे में, चुनाव आयोग ने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उसे प्राप्त शक्तियाँ उसे मतदाता सूची तैयार करने सहित चुनाव के सभी पहलुओं की निगरानी और निर्देशन का पूर्ण अधिकार प्रदान करती हैं। आयोग ने तर्क दिया कि यह संवैधानिक आदेश, अनुच्छेद 326 के तहत निर्धारित भारतीय नागरिकता की आवश्यकता सहित मतदाता पात्रता की जाँच करने का अधिकार देता है। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता साबित न कर पाना किसी की नागरिकता समाप्त करने के समान नहीं है। यह हलफनामा कई विपक्षी सांसदों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में आया है, जिनमें एसआईआर प्रक्रिया की वैधता, समय और तरीके को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को एसआईआर की वैधता की जाँच करने पर सहमति जताई और आग्रह किया कि अगले आदेशों तक मसौदा सूची को अंतिम रूप न दिया जाए। कोर्ट ने चुनाव आयोग से यह भी कहा था कि वह मतदाता सूची में शामिल होने के लिए पात्रता के स्वीकार्य प्रमाण के रूप में आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर विचार करे।

परिवार को दें 25 लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार को 28 जून को हिरासत में मारे गए अजित कुमार के परिवार को 25 लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा देने का निर्देश दिया। अदालत ने जाँच में राज्य के सहयोग पर गौर किया और पहले से दिए जा रहे अंतरिम मुआवजे को बढ़ाने का आदेश दिया। यह आदेश राज्य द्वारा हिरासत में हुई मौत के मामले में अपनी रिपोर्ट पेश करने के बाद आया। सरकार ने अदालत को बताया कि उसने पहले ही 7.5 लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा, अजित कुमार के भाई को तीन सेंट जमीन और एक सरकारी नौकरी आवंटित कर दी है। हालाँकि, अदालत ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के निष्कर्षों के आलोक में इस राशि को अपर्याप्त माना और राज्य को अंतरिम राहत के रूप में कुल 25 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। मामले की सुनवाई 28 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई है। अजित को बार–बार डंडे से पीटते हुए दिखाने वाला एक वीडियो सामने आने के बाद हिरासत में हुई।

यूपी में वर्तमान कृषि उत्पादन से तीन गुना अधिक करने की क्षमता : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज भी यूपी में सर्वाधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र कृषि है। लगभग तीन करोड़ किसान कृषि पर निर्भर करते हैं। इसके बाद सर्वाधिक रोजगार एमएसएमई दे रहा है। इसके माध्यम से 1.65 करोड़ लोग रोजगार प्राप्त करते हैं। सीएम ने कहा कि कृषि पलायन का नहीं, बल्कि खुशहाली का माध्यम बने। यह तभी संभव है, जब इस क्षेत्र में किए जाने वाले अनुसंधान का लाभ किसानों को दे पाएंगे। सीएम ने कहा कि यूपी विकसित होता है तो भारत को विकसित होने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। हर व्यक्ति अपने क्षेत्र में ईमानदारी से प्रयास करता है तो उस लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के 36वें स्थापना दिवस में शिरकत की। सीएम ने प्रदर्शनी का अवलोकन और पुस्तिकाओं–न्यूज लेटर का विमोचन किया। उन्होंने राष्ट्रीय संगोष्ठी शविकसित कृषि–विकसित उत्तर प्रदेश/ 2047श में अपने विचार भी रखे। सीएम ने कृषि वैज्ञानिकों, युवा प्रतिभाओं, एफपीओ आदि का सम्मान भी किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कृषि व कृषि अनुसंधान की दृष्टि से यूपी प्रकृति व परमात्मा की कृपा वाला प्रदेश है। हमारे पास विस्तृत और उर्वरा कृषि भूमि, पर्याप्त जल संसाधन है। दुनिया में यूपी एकमात्र ऐसा राज्य होगा, जिसका 86 फीसदी से अधिक

भूभाग सिंचित है। यहां केंद्र व राज्य सरकार के कृषि विश्वविद्यालयों का बेहतरीन संजाल है। यूपी सरकार पहले से चार कृषि विवि संचालित कर रही है। पांचवां विवि भी स्थापित हो रहा है। केंद्र सरकार द्वारा भी प्रदेश में पहले से ही कृषि विवि संचालित हो रहे हैं और कृषि अनुसंधान के लिए 15 से अधिक संस्थान कार्यरत हैं। 89 कृषि विज्ञान केंद्र भी अपनी विशेषज्ञता का लाभ किसानों को प्रदान करते हैं। इसके बावजूद किसानों की स्थिति चौंकाने वाले तथ्य प्रस्तुत करती है। प्रदेश के बमुश्किल 25 से 30 फीसदी किसान ही ऐसे हैं, जो वैज्ञानिक शोध व अनुसंधान के कार्यों को प्रभावी ढंग से खेती में लागू कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की आबादी का 16 फीसदी हिस्सा यूपी में निवास करता है। देश के कृषि योग्य कुल भूमि का केवल 11 फीसदी यूपी में है। इस भूमि पर देश का 20 फीसदी से अधिक खाद्यान्न उत्पादन हो रहा है। हालांकि यूपी की भूमि के समतलीकरण, उर्वरता, जल संसाधन को देखते हुए इससे तीन गुना अधिक उत्पादन लिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए कृषि शोध, विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। सीएम ने कहा कि वही देश विकसित हुए हैं, जिन्होंने अधिकाधिक शोध और विकास पर ध्यान दिया। उनका क्षेत्र अलग हो सकता है। जिसने जिस क्षेत्र में कार्य किया, वह वहां आगे बढ़ा। सीएम ने कहा कि यूपी के पास देश ही नहीं, दुनिया का पेट भरने का भी सामर्थ्य है। कृषि, हॉर्टिकल्चर, सब्जी के लिए हम बहुत कुछ कर सकते हैं। यहां के क्लाइमेटिक जोन के अनुरूप अनुसंधान और प्रकृति–पर्यावरण के अनुरूप शोध को बढ़ाने के लिए और गति दिए जाने की आवश्यकता है। सीएम ने कहा कि आपके द्वारा किए गए शोध व विकास के कार्यक्रमों की गति देश व प्रदेश की प्रगति में निर्णायक भूमिका का निर्वहन कर सकती है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2047 में जब भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की इकॉमनी होगा तो यूपी कहां होगा, उसकी प्रति व्यक्ति आय क्या होगी। कृषि, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी क्या स्थिति होनी है। इस पर यूपी ने व्यापक कार्ययोजना बनाई है। हम विजन 2047 की कार्ययोजना के साथ तो आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन हमारे पास शॉर्ट टर्म भी होना चाहिए कि हमें दो वर्ष में क्या अचीव करना है। हमें 2027, 29 और 35 की भी बात करनी चाहिए। पब्लिक को अपील करने के लिए शॉर्ट टर्म, मीडियम और लॉन्ग टर्म प्लानिंग को लेकर चलना होगा। कृषि विवि, कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान के लिए कार्यरत संस्थान इस दिशा में प्रयास प्रारंभ करें।

अखिलेश यादव के लिए बड़ी मुसीबत सपा में फैली रार, बिखर रहा संगठन

आगरा, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी में जिला व महानगर इकाई भंग होने के बाद से गुटबाजी चरम पर उभर रही है। अंदरूनी कलह और मनमुटाव मुकदमे का रूप ले रहा है। मुख्य पदाधिकारी एक–दूसरे से दूरी बना रहे हैं। पार्टी की बैठक, कार्यक्रम और चुनावी तैयारियों तक में शामिल नहीं हो रहे हैं। फतेहाबाद रोड स्थित सपा कार्यालय की बिजली कटने से शुरू हुई कलह थमने का नाम नहीं ले रही। बकाया बिल का भुगतान नहीं होने पर कटा बिजली कनेक्शन तो जुड़ गया, लेकिन दो महीने से जिला और महानगर इकाई में तालमेल नहीं बैठ पा रहा। मासिक समीक्षा से लेकर बूथ प्रबंधन, प्रमुख कार्यक्रम और अभियान तक में जिला व महानगर इकाई के प्रमुख पदाधिकारी शामिल नहीं हो रहे। दोनों गुट अलग–अलग कार्यक्रम और बैठक कर संगठनात्मक खानापूर्ति में जुटे हुए हैं। उधर, एक पूर्व जिलाध्यक्ष व निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष के बीच विवाद खत्म नहीं हुआ। अब पूर्व जिलाध्यक्ष और एक प्रदेश सचिव के बीच नया विवाद शुरू हो गया है। ऐसे में एक तरफ पीडीए (पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक) की धार कुंद पड़ रही है। दूसरी तरफ कार्यकर्ताओं का मनोबल भी टूट रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष से करेंगे वार्ता सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामजीलाल सुमन ने कहा कि संगठन परिवार की तरह होता है।

विश्व के सबसे बड़े व सुंदर घाट का उद्घाटन करने काशी आए थे धनखड़?

वाराणसी, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे का जिक्र पूरे देश में हो रहा है। इस बीच मंगलवार को उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया गया है। इस बीच काशी में भी यह चर्चा का विषय बना हुआ है। बता दें कि बीते वर्ष 15 नवंबर को तत्कालीन उपराष्ट्रपति काशी आए थे। यहां विश्व के सबसे बड़े और सुंदर घाट श्नमो घाटश का उद्घाटन तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया था। काशी दौरे के दौरान वे गंगा आरती कर काफी प्रसन्न हुए थे। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा था कि भारत सनातन की भूमि है और काशी इसका केंद्र है। सनातन धर्म सभी को समाहित करता है और इसने आक्रमणकारियों को भी समाहित करने का कार्य किया है। यह हमें एकता और दृढ़ता की सीख देता है। उपराष्ट्रपति ने नमो घाट पर कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा था कि योगी जी अपनी लगन और निष्ठा से उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाकर इसे सर्वोच्च प्रदेश बनाने की दिशा में अग्रसर हैं। कहा था कि संरक्षण, सृजन, दूरदर्शी और सराहनीय विकास के लिए जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी समर्पित हैं, उत्तर प्रदेश में यही काम योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। वहीं उन्होंने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुझे उनके मार्गदर्शन का लाभ कई अवसरों पर मिला है। उपराष्ट्रपति ने नमो घाट के उद्घाटन को अपने लिए सौभाग्य का क्षण बताया था। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े घाट का उद्घाटन करना मेरे लिए बड़ा

सम्मान है। मुख्यमंत्री योगी ने जब कहा कि भारत के अलावा और कहां घाट होते हैं, तो इससे मेरी बात को और बल मिला। काशी मोक्ष की नगरी है और यहां की परंपराएं अनवरत रूप से प्रज्ज्वलित रहती हैं। उप राष्ट्रपति ने इस बात पर भी जोर दिया था कि उद्घाटन दिवस का संयोग बेहद खास है। आज ही के दिन सिख धर्म के संस्थापक प्रथम गुरू श्री गुरुनानक देव का 555वां प्रकाश पर्व है। इसके साथ ही उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को याद करते हुए आदिवासी समुदाय की गौरवशाली विरासत की सराहना की।

राष्ट्रपति के 14 सवालों पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की पीठ मंगलवार को राष्ट्रपति द्वारा उठाए गए 14 सवालों पर विचार करने के लिए तैयार हो गई है। दरअसल राष्ट्रपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर ये सवाल उठाए थे, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति और राज्यपालों को किसी विधेयक को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने को कहा था। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस ए एस चंदूरकर की सदस्यता वाली संविधान पीठ अगस्त के मध्य से इस पर सुनवाई शुरू करेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 143 (1) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए थे। संविधान का अनुच्छेद 143(1) राष्ट्रपति के सुप्रीम कोर्ट से विचार–विमर्श करने से संबंधित है। इसमें कहा गया है, श्यदि किसी भी समय राष्ट्रपति को ऐसा प्रतीत हो कि किसी कानून या तथ्य का लेकर कोई सवाल उठ रहा है, या उठ सकता है, जो सार्वजनिक महत्व का हो तो उस पर सर्वोच्च न्यायालय की राय ली जा सकती है। राष्ट्रपति उस सवाल को सर्वोच्च न्यायालय के पास भेज सकता हैं और न्यायालय, सुनवाई के बाद राष्ट्रपति को उस सवाल पर अपनी राय से अवगत करा सकता है अगर राज्यपाल ने विधेयक को फैसले के लिए सुरक्षित रख लिया है तो क्या अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट की सलाह लेनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को दिए अपने एक फैसले में सभी राज्यपालों को विधानसभा से पारित विधेयक को मंजूरी देने की समयसीमा तय कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राज्यपाल संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत किसी विधेयक के संबंध में कोई विवेकाधिकार प्राप्त नहीं हैं और वे मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करते हैं। ऐसे में उन्हें मंत्रीपरिषद की सलाह का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। न्यायालय ने फैसले में कहा कि यदि राष्ट्रपति, राज्यपाल द्वारा भेजे गए किसी विधेयक पर अपनी स्वीकृति नहीं देते हैं।

बिहार में होगा भाजपा का मुख्यमंत्री, उपराष्ट्रपति बनेंगे नीतीश कुमार

बिहार, (एजेंसी)। जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से चौंकाने वाले इस्तीफे के बाद, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उनकी जगह लेने की चर्चा जोरों पर है। इसको लेकर कई बयान भी सामने आने लगे है। वहीं, बिहार से भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने भी इस चर्चा में शामिल होते हुए कहा कि हर कोई नीतीश कुमार को उपराष्ट्रपति के रूप में देखना चाहता है। बिस्फी विधानसभा क्षेत्र से विधायक बचौल ने कहा कि नीतीश कुमार को उपराष्ट्रपति बनाए जाने से बेहतर और क्या हो सकता है? नीतीश कुमार उपराष्ट्रपति बनें या न बनें, हर कोई यही चाहता है। बिहार के मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि इसका फैसला केंद्र सरकार करेगी। अगर बिहार से कोई उपराष्ट्रपति बनता है तो मुझे खुशी होगी। बिहार के मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू ने कहा कि यह अच्छी बात है। अगर वह बन गए तो इसमें क्या दिक्कत है? सोमवार को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ने वाले जगदीप धनखड़ के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में सोशल मीडिया पर कई नाम प्रसारित हो रहे हैं। इस फैसले से विपक्ष समेत कई राजनीतिक नेता स्तब्ध हैं। नीतीश कुमार के अगले उपराष्ट्रपति बनने की अटकलें तब शुरू हुईं जब राजनीतिक पत्रकार समीर चौगांवकर ने संकेत दिया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी बिहार चुनावों के लिए अपना उम्मीदवार नियुक्त करेगी और नीतीश कुमार को देश के दूसरे सबसे बड़े पद पर बनाए रखेगी। चौगांवकर ने एक्स पर पोस्ट किया, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार देश के अगले उपराष्ट्रपति बनने वाले हैं। बिहार में, भाजपा चुनावों के लिए अपना मुख्यमंत्री नियुक्त करेगी। जदयू का उपमुख्यमंत्री होगा। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स तो यह भी अनुमान लगा रहे हैं कि जहाँ नीतीश को उपराष्ट्रपति बनाया जा सकता है।

सरकार ने रेटिंग एजेंसियों के साथ किए संबंध मजबूत : वित्त राज्य मंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार ने एक संरचित इंटरैक्टिव प्रक्रिया के माध्यम से वैश्विक रेटिंग एजेंसियों के साथ अपने संबंधत को मजबूत किया है। इस प्रक्रिया के तहत रेटिंग एजेंसियों के सामने समग्र व्यापक आर्थिक परिदृश्य को रखा जाता है। सरकार ने मंगलवार को संसद को यह सूचना दी। सरकार की ओर से यह जानकारी ऐसे समय पर दी गई है जब एसएंडपी, फिच और मूडीज जैसी संप्रभु क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने भारत को सबसे कम निवेश–ग्रेड रेटिंग दी है। मूडीज रेटिंग्स ने भारत को श्स्थिरश दृष्टिकोण के साथ जबकि एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने श्सकारात्मकश दृष्टिकोण के साथ रेटिंग दी है। फिच ने भारत को श्स्थिरश दृष्टिकोण के साथ रेटिंग दी है, जबकि मॉर्निंगस्टार डीबीआरएस ने मई में भारत की रेटिंग को स्थिर रुझान के साथ कर दिया था। राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि सरकार ने भारत के समग्र आर्थिक परिदृश्य को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जिससे इसके ऋण प्रोफाइल पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इनमें मजबूत समष्टि आर्थिक बुनियादी तत्वों को बनाए रखना शामिल है, जैसे स्थिर विकास, मूल्य स्थिरता, राजकोषीय समेकन, लचीला बाह्य क्षेत्र, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार, मजबूत बैंकिंग क्षेत्र और निवेश को समर्थन देने के लिए भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ाना। इसके अलावा, सरकार द्वारा मजबूत पूंजीगत व्यय, बुनियादी ढांचे के निर्माण, वित्तीय क्षेत्र में सुधार, व्यापार में आसानी, रोजगार और कौशल विकास पर दिया गया जोर दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और विकास में योगदान देता है। चौधरी ने कहा, इसके अलावा, सरकार ने एक संरचित संवादात्मक प्रक्रिया के माध्यम से इन एजेंसियों के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत किया है, जिसके दौरान वह समग्र व्यापक आर्थिक परिदृश्य पर अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है और एजेंसियों के विशिष्ट विचारों पर विचार करती है। रेटिंग एजेंसियां भारत सहित विभिन्न देशों की रेटिंग निर्धारित करने के लिए विभिन्न मात्रात्मक और गुणात्मक कारकों का उपयोग करती हैं।

उपराष्ट्रपति कार्यालय को उनके और रिजिजू के बैठक में न आ पाने की जानकारी दी थी : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को साफ किया कि उपराष्ट्रपति कार्यालय को पहले ही सूचित कर दिया गया था कि वह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू कल शाम जगदीप धनखड़ द्वारा बुलाई गई बीएसी बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। यह बैठक उनके पद से इस्तीफा देने से कुछ समय पहले ही होनी थी। नड्डा का यह बयान कांग्रेस नेता जयराम रमेश की ओर से कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) में राज्यसभा के नेता और रिजिजू की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए जाने के बाद आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने जयराम रमेश के दावों के बारे में पूछे जाने पर कहा, उपराष्ट्रपति कार्यालय को बैठक में शामिल न हो पाने की हमारी

असमर्थता के बारे में सूचित कर दिया गया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा नड्डा, रिजिजू, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बैठक के बाद रमेश ने पत्रकारों से बात करते हुए यह दावा किया था। इससे पहले जगदीप धनखड़ ने सोमवार शाम को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा भेज दिया था। उन्होंने कहा था कि वह तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। इस बीच कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि धनखड़ के इस्तीफे के पीछे के कारण उनकी की ओर से बताए गए स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से कहीं अधिक गंभीर हैं। रमेश ने दावा किया कि नड्डा और रिजिजू के बीएसी की बैठक में शामिल न होने से धनखड़ नाराज हो गए थे। इससे पहले सोमवार को कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि उपराष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा जितना हैरान करने वाला है, उतना ही अकल्पनीय भी। मैं शाम 5 बजे तक उनके साथ था, शाम 7रू30 बजे फोन पर बात की थी। इसमें संदेह नहीं कि धनखड़ को अपनी सेहत को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी, लेकिन स्पष्ट रूप से उनके अप्रत्याशित इस्तीफे में जो दिख रहा है,।

संपादकीय

मेले में अकेला

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वह रिपोर्ट चौंकाती है कि दुनिया में हर छठा इंसान अकेला है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवाद से विलग होकर नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। सही मायनों में इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां लील रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। निश्चय ही जीवन की जटिलताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है। सोच के भौतिकवादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन की ओर धकेल देती है। कहने को तो सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है। हो सकता है किसी व्यक्ति के हजारों मित्र सोशल मीडिया मंचों पर हों, लेकिन यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल एकाकी होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने–बाने को मजबूत नहीं कर सकते। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस–पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द–गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति एकांत में जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने–जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार एकाकी होता जा रहा है। विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। कालांतर व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल–जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। शहरों की महंगी जिंदगी और कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना संकट को गहरा बना रहा है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति–पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। धीरे–धीरे यह एकाकीपन अवसाद तक पहुंचता है। जो कालांतर एक ऐसे मनोरोग का रूप ले लेता है, जिसका उपचार कराने में भी पीड़ित व्यक्ति संकोच करने लगता है। इस स्थिति से व्यक्ति की वापसी सहज भी नहीं होती। जब हम डब्ल्यूएचओ के आंकड़े की बात करते हैं कि दुनिया में हर छठा व्यक्ति अकेलेपन की गिरफ्त में है तो उस कुल संख्या का अनुमान लगाना कठिन नहीं है, जो वास्तव में इससे पीड़ित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का वह आंकड़ा चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है।

राष्ट्रहित में नहीं भाषाई अस्मिता की जंग

हम किसी को इसलिए 'सजा' का पात्र न मान लें कि वह हमारी भाषा नहीं जानता। पिछले कुछ दिनों में मुंबई में भाषा के जानने, न जानने को लेकर जिस तरह मारपीट की घटनाएं हुई हैं उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोई किसी भाषा को नहीं जानता इसका यह अर्थ कदापि नहीं लगाना चाहिए कि वह उस भाषा का अपमान कर रहा है। पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब को फांसी के फंदे तक पहुंचाने वाले एडवोकेट उज्ज्वल निकम को राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए

मनोनीत किया है। निकम के अनुसार यह सूचना उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने टेलीफोन पर संपर्क करके दी थी। प्रधानमंत्री ने फोन पर एडवोकेट निकम से कहा था, 'मी मराठी बोलूं का हिंदी?' इस पर निकम कुछ हंस दिये, पर प्रधानमंत्री ठहाका लगाकर हंसे थे। वैसे प्रधानमंत्री का मराठी में बोलना और निकम एवं मोदी जी का हंसना स्वाभाविक–सी बात है, पर हाल के दिनों में महाराष्ट्र में भाषा की जो राजनीति चल रही है उसे देखते हुए यह प्रकरण सामान्य से थोड़ा हटकर लग रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा निकम के साथ मराठी में बोलने वाली यह बात जिस दिन अखबार में छपी, उस दिन एक अन्य समाचार भी अखबार के पहले पृष्ठ पर छपा था। यह समाचार मुंबई के उपनगर विरार का था, जहां उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के कुछ कार्यकर्ताओं ने एक रिक्शा वाले की इसलिए पिटाई कर दी कि वह मराठी में नहीं बोल पा रहा थादृ हिंदी में बोल रहा था। रिक्शा चालक उत्तर प्रदेश का था और शिवसेना के कार्यकर्ताओं का मानना था कि उसे अपनी कर्मभूमि की भाषा मराठी का अपमान करने का अधिकार नहीं है। महाराष्ट्र में मराठी न बोल पाना मराठी भाषा का अपमान कैसे हो गया, पता नहीं, पर प्रधानमंत्री द्वारा एडवोकेट निकम से मराठी में बोलना यह संकेत तो दे ही रहा है कि राज्य में भाषा को लेकर फिर से उठा यह विवाद अप्रिय स्थितियां उत्पन्न कर रहा है। महाराष्ट्र में आकर जीविका कमाने वाले को राज्य की भाषा आनी चाहिए, इस बात से किसी को कोई एतराज नहीं होना चाहिए। सच बात तो यह है कि एक से अधिक भारतीय भाषाएं जानने वाले भारतीय को इस बात पर गर्व होना चाहिए कि वह बहुभाषी है। इसमें भी कोई संदेह नहीं कि भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम मात्र नहीं है, भाषा हमारी अस्मिता है, पहचान है। हमारे संविधान में हिंदी को देश की राजभाषा का स्थान दिया गया है, लेकिन संविधान की आठवीं सूची में सम्मिलित की गयी सभी बाईस भाषाएं हमारी राष्ट्रभाषाएं हैं। सब पर हमें गर्व है। इनमें से किसी एक का भी अपमान समूची भारतीयता का अपमान है। अर्थातदृ स्वयं अपना अपमान। कोई क्यों करना चाहेगा भला अपना अपमान? सच तो यह है कि अपनी भाषाई विविधता पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। भाग्यशाली हैं हम कि हमारे पास भाषाओं का इतना बड़ा खजाना है। हमारी कोशिश रहनी चाहिए कि यह अहसास हम सब में जगे। लेकिन यह भी एक पीड़ादायक सच्चाई है कि अक्सर भाषा को राजनीति का हथियार बनाया जाता है। महाराष्ट्र में इन दिनों चल रहे भाषाई–विवाद के पीछे भी कुछ ऐसी ही राजनीति है। कुछ अरसा पहले महाराष्ट्र सरकार ने शिक्षा–नीति में परिवर्तन संबंधी शासनादेश जारी किया था, जिसमें यह व्यवस्था की गयी थी कि प्राथमिक कक्षाओं में तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंदृ मातृभाषा यानी मराठी, अंग्रेजी और हिंदी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को यह राजनीतिक स्वार्थ साधने का अवसर दिखा। उसने इसे हिंदी–मराठी का विवाद बना दिया और तरीका वही अपनाया जो बीस साल पहले आजमाया जा चुका थादृ यानी मराठी माणूस और मराठी अस्मिता की बात। साथ ही जोर–जबरदस्ती वाली नीति। उद्धव ठाकरे को भी इसमें अवसर दिख गया। मराठी के अपमान का नारा लगाकर राजनीति सधने लगी। राजनीतिक स्वार्थ का ही तकाजा था कि महाराष्ट्र सरकार को भी तीन भाषाओं वाला शासनादेश वापस लेना पड़ा। अब एक समिति बनाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। पर मुद्दे की आंच ठंडी नहीं हुई। उज्ज्वल निकम से प्रधानमंत्री का हल्के–फुल्के अंदाज में पूछा गया भाषा वाला सवाल और विरार में रिक्शा चालक की पिटाई वाला प्रकरण इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भाषाई–विवाद वाली राजनीति की आंच अभी सुलग रही है और इसे अभी और सुलगाया जायेगा। 'मनसे' और 'उबाठा' की कोशिश रहेगी कि मुंबई महानगरपालिका समेत राज्य में नगर निकायों के चुनाव तक यह आंच सुलगती रहे, ताकि उनकी राजनीति की रोटियां सिकती रहें। पहले भी समय–समय पर स्थानीय और पर प्रांतियों का मुद्दा राजनीति का हथियार बनता रहा है, अब भी बनेगा। इसका किसको कितना लाभ मिलेगा, यह तो भविष्य ही बतायेगा, पर भाषाई अस्मिता और प्रांतीयता के नाम पर लड़ी जा रही यह लड़ाई किसी भी दृष्टि से राष्ट्रीय हितों के अनुकूल नहीं कहीं जा सकती। महाराष्ट्र की राजनीति में अपना स्थान खोजती 'मनसे' और अपना खोया स्थान फिर से प्राप्त करने की कोशिश में लगी उद्धव ठाकरे की शिवसेना को इस ताजा विवाद के सहारे जुड़ने का मौका भले ही मिल गया हो, पर राष्ट्रीय हितों को देखते हुए भाषाई अस्मिता के नाम पर लड़ी जा रही इस लड़ाई का समर्थन नहीं किया जा सकता। ऐसा नहीं है कि यह राजनीति और भाषा के नाम पर लड़ी जाने वाली लड़ाई सिर्फ महाराष्ट्र में ही हो रही है। देश के अन्य राज्यों, विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक, असम आदि में भी इस तरह की विभाजनकारी प्रवृत्तियां समय–समय पर सिर उठाती रही हैं। इसलिए जरूरी है कि हमारे राजनेता अपनी राजनीति को चमकाने की इस राष्ट्र–विरोधी प्रवृत्ति से उबरें। यह राष्ट्र हम सब का है। हम यानी हम सब भारतीयों का। हमारा संविधान देश के हर नागरिक को देश में कहीं भी जाने–बसने का अधिकार देता है। भाषा, धर्म, जाति आदि के नाम पर देश के किसी भी नागरिक से उसके वे अधिकार छीनने की कोशिश स्वीकार्य नहीं हो सकती जो संविधान ने उसे दिये हैं। यह सही है कि देश की सारी भाषाएं हम सब की हैं ।

विकास की आकांक्षाओं के लिए परिवर्तन की बयार

इस बार उत्तराखंड से यह खबर इसलिए खासतौर पर सुर्खियों में है क्योंकि इन चुनावों में सरकारी सेवा से ससम्मान रिटायर होने वाले शिक्षक, प्रधानाचार्य और पुलिस व सेना के ऐसे वरिष्ठ अधिकारीगण शामिल हैं जिनका अब से पहले राजनीति से कोई लेना–देना नहीं रहा है और जो अपने पैतृक गांव लौटकर ग्राम प्रधान के रूप में उसके विकास का सपना मन में पाले हुए हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर उत्तराखंड में इस बार माहौल कुछ अलग तरह का नजर आ रहा है। अब जनता लोकतंत्र की इस सबसे छोटी इकाई के माध्यम से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव की उम्मीद पाल रही है और इसमें सामान्य ग्रामीण जन से लेकर बौद्धिक और शिक्षित वर्ग तक की महत्वपूर्ण सहभागिता दिख रही है। गौरतलब है कि इस बार गांवों में बड़ी संख्या में निर्विरोध ग्राम प्रधान चुने गये हैं। यही नहीं, उससे ऊपर क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत सदस्य भी इसमें शामिल हैं। बताया जा रहा है कि 20,820 ग्राम पंचायत सदस्यों समेत कुल 22,429 प्रत्याशी निर्विरोध चुने गये हैं। इनमें 1361 ग्राम प्रधान, 240 क्षेत्र पंचायत सदस्य और आठ जिला पंचायत सदस्य शामिल हैं। हालांकि, पंचायत चुनाव में जनप्रतिनिधियों का निर्विरोध चुना जाना कोई नई बात नहीं है लेकिन इस बार उत्तराखंड से यह खबर इसलिए खासतौर पर सुर्खियों में है क्योंकि इन चुनावों में सरकारी सेवा से ससम्मान रिटायर होने वाले शिक्षक, प्रधानाचार्य और पुलिस व सेना के ऐसे वरिष्ठ अधिकारीगण शामिल हैं जिनका अब से पहले राजनीति से कोई लेना–देना नहीं रहा है और जो अपने पैतृक गांव लौटकर ग्राम प्रधान के रूप में उसके विकास का सपना मन में पाले हुए हैं। परिवर्तन की यह बयार गढ़वाल क्षेत्र के सुदूर उत्तरकाशी और भिलंगना घाटी से लेकर कुमाऊं के चंपावत और पिथौरागढ़ तक बह रही है। रिवर्स पलायन की इससे बड़ी नजीर भला और क्या हो सकती है! निर्विरोध चुने गये 1361 ग्राम प्रधानों में सबसे ज्यादा खबरों में दो नाम ऐसे हैं जो सेना और पुलिस विभाग में बहुत ही ऊंचे पद से रिटायर होने के बाद अपने सुविधाहीन गांवों में लौट आये हैं जबकि ये भी दिल्ली, देहरादून या किसी सुविधा–संपन्न महानगर में आराम की जिंदगी बसर कर सकते थे। रिवर्स पलायन के विचार को व्यावहारिक धरातल पर उतारते हुए अपने गांव में बसने का निर्णय ले अब ये गांव वालों की आम सहमति से ग्राम प्रधान बन विकास के लिए प्रतिबद्ध दिखते हैं। इनमें पहला नाम है सेना से रिटायर हुए कर्नल यशपाल नेगी का। पौड़ी जिले के बीरोंखाल ब्लाक के वीरगणा गांव के मूल निवासी कर्नल यशपाल नेगी रिटायर होने के बाद अपने गांव लौटने के लिए कृत संकल्प थे। 2020 में जब वह सपत्नीक गांव लौट अपने बंजर पड़े खेतों को आबाद करने की मंशा से खेती–किसानी में जुट गये तो गांव वालों की खुशी का ठिकाना न रहा। आज कर्नल अपने लहलहाते खेतों के साथ जैविक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं और उनके इस काम में उनकी पत्नी उनसे भी ज्यादा उत्साहित दिखती हैं। कर्नल यशपाल और उनकी पत्नी निरूस्वार्थ भाव से गांव के बच्चों को शिक्षा और स्वरोजगार के प्रति भी प्रेरित कर रहे हैं। यही कारण है कि गांव वालों ने उन्हें एकमत से अपना प्रधान चुन लिया है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण नाम है पूर्व आईपीएस विमला गुंज्याल, जो पिथौरागढ़ के धारचूला स्थित व्यास घाटी के गुंजी गांव की मूल निवासी हैं। अविभाजित उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड तक 35 सालों के स्वर्णिम सेवाकाल के बाद पुलिस महानिदेशक के पद से रिटायर होने वाली विमला जी भी अब अपने पैतृक गांव गुंजी में रह रही हैं। गुंजी के ग्रामीणों की इच्छा पर उनके ग्राम प्रधान पद के लिए हामी भरने के बाद सभी दावेदारों ने अपने नाम वापस ले लिए और उन्हें निर्विरोध प्रधान चुन लिया।

.... विविध ....

05 मांओं के दूध में मिला खतरनाक कीटनाशक, नतमं, शिशुओं के लिए बढ़ा खतरा

हाल ही में राजस्थान के जयपुर, बीकानेर और अन्य इलाकों में 26 से 42 वर्ष की उम्र की 105 मांओं के दूध के नमूने जांच के लिए लिए गए। यह जांच एनएबीएल मान्यता प्राप्त लैब में करवाई गई। सभी नमूनों में मां के दूध में कई ऐसे हानिकारक पदार्थ पाए गए जो शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हैं।

मां का दूध बच्चे के लिए सबसे जरूरी लेकिन हो रहा नुकसान

विश्व स्वास्थ्य संगठन (भ्८) के अनुसार, मां का दूध बच्चे के लिए सबसे अच्छा पोषण स्रोत होता है। इसमें पानी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट और आवश्यक एंजाइम होते हैं जो बच्चे को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। लेकिन खराब खानपान और पर्यावरणीय प्रदूषण की वजह से मां के दूध में जहरीले तत्व मिल रहे हैं, जो शिशुओं को बीमार कर सकते हैं।

दूध में पाए गए खतरनाक तत्व

जांच में मां के दूध में डिटर्जेंट, यूरिया, मेलामाइन, फॉर्मेलिन, सल्फेट, और कीटनाशक जैसे पदार्थ मिले। डिटर्जेंट और यूरिया जैसे तत्व दूध में नकली प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने के लिए मिलाए जाते हैं, जो बच्चे के लिए हानिकारक हैं। मेलामाइन एक रासायनिक पदार्थ है जो दूध के पाउडर और डेयरी उत्पादों में मिलता है। यह किडनी रोग और पेट की बीमारियों का कारण बन सकता है। फॉर्मेलिन, जो मछली और सब्जियों को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए इस्तेमाल होता है, मां के शरीर में पहुंचकर दूध को प्रदूषित कर देता है।

मां के दूध में प्रदूषण का स्रोत क्या है?

मां के दूध में ये जहरीले पदार्थ खराब खानपान, प्रदूषित पानी, कीटनाशकों के प्रयोग, और प्रदूषित वातावरण के कारण शरीर में पहुंच रहे हैं। बाहर का तला–भुना और अस्वस्थ भोजन, कीटनाशक दवाओं के उपयोग वाले फल–तरकारी, और प्रदूषित जल सेवन से मां के शरीर में ये हानिकारक तत्व जमा हो जाते हैं, जो बाद में दूध के जरिए शिशु तक पहुंचते हैं।

बच्चों को हो सकते हैं गंभीर स्वास्थ्य जोखिम

शिशुओं में इन हानिकारक तत्वों के कारण पेट के संक्रमण, दस्त, उल्टी, किडनी से जुड़ी बीमारियां, और रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी हो सकती है। दूध में मौजूद फॉर्मेलिन और मेलामाइन बच्चों के लिए गंभीर खतरा हैं, जो उनकी वृद्धि और विकास में बाधा डाल सकते हैं।

मां को क्या करना चाहिए?

मांओं को चाहिए कि वे बाहर का तला–भुना या अस्वास्थ्यकर भोजन पूरी तरह से बंद कर दें। फल, सब्जियां और मांसाहार ऐसी जगह से लें जहां कीटनाशकों का उपयोग कम हो। घर में साफ–सफाई और स्वच्छ पानी का उपयोग करें। साथ ही, खानपान में पौष्टिक और संतुलित आहार शामिल करें, ताकि मां का दूध स्वस्थ और पोषक हो।

विशेषज्ञों की सलाह

डॉक्टर हिमानी शर्मा और ममता शर्मा जैसे पोषण विशेषज्ञों का कहना है कि कीटनाशकों और प्रदूषण पर सख्त नियंत्रण जरूरी है। मां के दूध में कोई भी हानिकारक रसायन नहीं होना चाहिए, क्योंकि इससे शिशु की सेहत पर गहरा असर पड़ता है। बच्चों के बेहतर विकास के लिए मां और परिवार को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखना होगा।

लीवर का रखवाला और मलेरिया का दुश्मन है ये कड़वा पत्ता

कालमेघ जिसे हिंदी में ष्कालमेघष और संस्कृत में भूनिंबा कहा जाता है, एक कड़वी लेकिन अत्यंत प्रभावशाली आयुर्वेदिक औषधीय जड़ी–बूटी है। इसका उपयोग सदियों से विभिन्न रोगों के उपचार में किया जाता रहा है।मलेरिया, टाइफाइड, काला बुखार और लंबे समय से बुखार के लिए किया जाता है। इससे तीन दिन में बुखार बेअसर हो जाता है।

बेहद फायदेमंद है ये पत्ता

कालमेघ को पारंपरिक रूप से मलेरिया बुखार के उपचार में इस्तेमाल किया जाता है। सुबह–सुबह कालमेघ पौधे के पत्ते को सबसे पहले पीसा जाता है, इसके बाद रोगी को खाली पेट पिला दिया जाता है।

इसमें एंटी–पायरेटिक गुण होते हैं, जो बुखार को कम करने में सहायक हैं।लगातार तीन दिनों तक इसका इस्तेमाल करने से किसी भी तरह का बुखार ठीक हो जाता है। दावा तो यह भी है कि इसके पत्ते में इतने गुण होते हैं जो वर्षों पुराने बुखार को भी ठीक कर देते हैं।

कालमेघ के औषधीय उपयोग

कालमेघ का उपयोग ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित करने में भी सहायक होता है। इसके नियमित सेवन से इंसुलिन की क्रियाशीलता बेहतर होती है। कालमेघ एक शक्तिशाली हैपेटोप्रोटेक्टिव जड़ी–बूटी है, यह लिवर की सूजन, वायरल हेपेटाइटिस, और जॉन्डिस में राहत देता है। यह रक्त वाहिनियों को रिलैक्स करता है जिससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। इसका काढ़ा या अर्क हाई बीपी के मरीजों के लिए उपयोगी है (डॉक्टर की सलाह आवश्यक लें)।

गैस्ट्रिक अल्सर

कालमेघ में एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सिडेंट गुण होते हैं जो पेट के घावों और अल्सर को ठीक करने में मदद करते हैं। यह पाचन को दुरुस्त करता है और पेट की जलन को भी शांत करता है। आयुर्वेद के साथ–साथ आधुनिक चिकित्सा में भी कालमेघ पर अध्ययन हुए हैं और इसके एंटी–डायबेटिक, एंटी–वायरल, एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रभावों को प्रमाणित किया गया है।

इसके उपयोग में सावधानियां

–गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को बिना सलाह के इसका उपयोग नहीं करना चाहिए।

–लंबे समय तक उच्च मात्रा में उपयोग से दस्त या भूख में कमी हो सकती है।

सिर्फ 3 सेकंड का टेस्ट साइलेंट हार्ट अटैक की कर सकता है पहचान

अक्सर जब हम हार्ट अटैक की बात करते हैं तो हमारे दिमाग में तेज सीने में दर्द, पसीना और बेचैनी जैसे लक्षण आते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा हार्ट अटैक भी होता है, जो बिना किसी लक्षण के आता है और जानलेवा भी साबित हो सकता है? इसे साइलेंट हार्ट अटैक कहा जाता है। साइलेंट हार्ट अटैक में न तो तेज दर्द होता है, न ही पसीना आता है और न ही व्यक्ति को इस बात का अंदाजा होता है कि उसे कभी हार्ट अटैक हुआ भी है। यह धीरे–धीरे दिल को नुकसान पहुंचाता है और जब तक पता चलता है, तब तक काफी देर हो चुकी होती है। लेकिन एक छोटी–सी 3 सेकंड की टेस्ट एक्सरसाइज से आप यह पता लगा सकते हैं कि दिल में कोई परेशानी तो नहीं। डॉक्टर ने बताया सुबह–सुबह करने वाला टेस्ट

एक डॉक्टर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे एक आम व्यक्ति ने रोजाना एक आसान–सी एक्सरसाइज करके समय रहते अपनी हार्ट प्रॉब्लम को पहचान लिया। उस व्यक्ति की उम्र सिर्फ 39 साल थी और वह रोज यह एक्सरसाइज करता था। लेकिन एक दिन उसे इस एक्सरसाइज के दौरान कुछ अलग महसूस हुआ। इसके कुछ ही हफ्तों में उसकी हार्ट सर्जरी करनी पड़ी। कैसे करें ये 3 सेकंड का टेस्ट?

इस टेस्ट को सुबह उठने के तुरंत बाद करना चाहिए। इसमें आपको सिर्फ 3 सेकंड लगेंगे।

टेस्ट करने का तरीका

सबसे पहले सुबह उठते ही अपने बिस्तर पर सीधे बैठ जाएं।

अब दोनों हाथों को सिर के ऊपर की तरफ पूरी तरह से ऊपर उठाएं।

इस पोजीशन को 3 सेकंड तक बनाए रखें और ध्यान दें कि इस दौरान शरीर में क्या महसूस हो रहा है।

क्या इन लक्षणों का एहसास हो रहा है?

जब आप इस पोजीशन में होल्ड करते हैं तो नीचे दिए गए लक्षणों पर ध्यान देंरू

क्या सीने में जकड़न या भारीपन महसूस हो रहा है?

क्या उंगलियों में सुन्नपन या झुनझुनी हो रही है?

क्या सिर में भारीपन या अचानक थकावट लग रही है?

क्या एक हाथ को ऊपर होल्ड करना मुश्किल हो रहा है?

क्या एक हाथ जल्दी नीचे गिर रहा है या कांप रहा है?

अगर इन में से कोई भी लक्षण आपको महसूस हो रहा है, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह संकेत हो सकता है कि आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही नहीं हो रहा या आर्टरीज सिकुड़ रही हैं।

ब्लड सर्कुलेशन क्यों है इतना जरूरी?

जब दिल तक सही मात्रा में खून नहीं पहुंच पाता तो शरीर को काम करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे में छोटी–सी एक्टिविटी के दौरान ही शरीर थकने लगता है या अजीब महसूस होने लगता है। यह टेस्ट शरीर में ब्लड सर्कुलेशन के बारे में संकेत देता है। अगर आर्टरीज में ब्लॉकेज या सिकुड़न है, तो इसी तरह के लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

समय पर पहचानें, तो टल सकता है बड़ा खतरा

डॉक्टर्स का मानना है कि अगर हम शरीर में हो रहे छोटे–छोटे बदलावों को समय रहते पहचान लें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें तो लगभग 50: हार्ट अटैक की घटनाओं को रोका जा सकता है।

सिपाही ने हेड कांस्टेबल के कमरे में घुसकर रॉड और डंडों से पीटा, हालचाल पूछने पर भड़का था

लखनऊ ,(संवाददाता)। पुलिस लाइन परिसर में सोमवार रात आपसी विवाद में सिपाही राकेश सिंह ने हेड कांस्टेबल राजन प्रताप वर्मा के कमरे में घुसकर लोहे की रॉड और डंडों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल राजन को पहले सीएचसी लाया गया, वहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां वह भर्ती है। जानकारी के मुताबिक, ड्यूटी के बाद अपने कमरे में आराम कर रहे हेड कांस्टेबल राजन से सिपाही राकेश हालचाल पूछने पर भड़क उठा। आरोप है कि नशे की हालत में मौजूद सिपाही ने पहले डंडे से वार किया, फिर पास में रखी लोहे की रॉड उठाकर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। शोर सुनकर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने बीच–बचाव किया और अमेठी कोतवाली पुलिस को सूचना दी। घायल हेड कांस्टेबल ने बताया कि उन्होंने सिपाही को उसके परिवार का हाल पूछते हुए कुछ अपशब्द कह दिया। इसी बात से राकेश नाराज हो गया और मारपीट पर उतर आया। पीड़ित के मुताबिक, उन्होंने उम्र में बड़े होने के नाते समझाने की कोशिश भी की लेकिन सिपाही ने एक न सुनी और उनकी पिटाई कर दी। कोतवाली पुलिस ने घायल को इलाज के लिए भिजवाया। प्रभारी निरीक्षक अमेठी रवि सिंह ने बताया कि पुलिस लाइन की घटना संज्ञान में है। अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। सिपाही की भूमिका की जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, डीएम-एसपी ने बरसाए फूल

लखनऊ ,(संवाददाता)। महाभारत कालीन शिवलिंग के लिए प्रसिद्ध तीर्थस्थल महादेवा में सावन माह के तीसरे मंगलवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई जिससे पूरे क्षेत्र में एक अद्भुत और अलौकिक दृश्य देखने को मिला। मंगलवार सुबह लगभग 9:24 बजे हेलीकॉप्टर ने महादेवा मंदिर के ऊपर तीन बार चक्कर लगाते हुए गेंदे और गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा की। बोल बम के जयकारों और हर–हर महादेव की गूंज से वातावरण शिवमय हो गया। चिलचिलाती धूप में भी श्रद्धालु सुबह 7 बजे से ही मंदिर परिसर में डटे रहे और पुष्पवर्षा के इस पावन क्षण को मोबाइल कैमरे में कैद करते नजर आए। इस अवसर पर जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने हेलीकॉप्टर से स्वयं पुष्पवर्षा की। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी, जिला उपाध्यक्ष शेखर हयारण, मंडल अध्यक्ष अमित सिंह, एसडीएम विवेकशील यादव, सीओ गरिमा पंत, तहसीलदार विपुल सिंह, विजय प्रकाश तिवारी, बीडीओ जितेंद्र कुमार तथा कोतवाल अनिल कुमार पांडेय सहित कई प्रशासनिक व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने इस अनूठी पुष्पवर्षा को अद्वितीय अनुभव बताया और प्रशासन की इस पहल की सराहना की। महादेवा में शिवभक्ति और जनसहभागिता का यह अद्भुत संगम लंबे समय तक लोगों के मन में बसा रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

लोहिया संस्थान के रेफरल अस्पताल में दूसरी ओटी का शुभारंभ

लखनऊ ,(संवाददाता)। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के राम प्रकाश गुप्ता मदर एंड चाइल्ड रेफरल हॉस्पिटल में सोमवार को नए ऑपरेशन थिएटर का शुभारंभ किया गया। ओटी बनने से ऑपरेशन का इंतजार कम होगा। निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने इमरजेंसी के पास एक और ऑपरेशन थिएटर और स्किल लैब का शुभारंभ किया। स्किल लैब से मेडिकल के विद्यार्थियों को सीखने में मदद मिलेगी। निदेशक ने बताया कि अस्पताल की इमरजेंसी में रोजाना करीब 35 प्रसव हो रहे हैं। कई बार गर्भवतियों को इंतजार करना पड़ता है। नई ओटी शुरू होने के बाद इसमें कमी आएगी। अस्पताल में तीन–तीन ऑपरेशन थिएटर थे। इसमें दो इलेक्टिव और एक इमरजेंसी ओटी थी। अब इमरजेंसी में भी ओटी की संख्या दो हो गई है। इस मौके पर मदर एंड चाइल्ड रेफरल हॉस्पिटल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. श्रीकेश सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विक्रम सिंह, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू सिंह, एनेस्थीसिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. पीके दास, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ. नमिता दोहरे, डॉ. दीपमाला मोदी मौजूद रहे।

बैरिकेडिंग हटा कर नाले के चारों ओर उठा दी ईंट की दीवार

लखनऊ ,(संवाददाता)। चौक में सद्भावना पुल के आगे बड़ी काली जी मंदिर जाने वाले मार्ग पर अंडरग्राउंड नाले का चौंबर खोलकर सफाई कराई जा रही थी। शुक्रवार रात इसमें चौक निवासी राजन खन्ना स्कूटी के साथ गिरकर चोटिल हो गए थे। घटना की खबर अमर उजाला में प्रकाशित होने के बाद नगर निगम ने सोमवार को बैरिकेडिंग हटाकर यहां अस्थायी रूप से ईंट की दीवार से नाले को घेर दिया है। 20 दिन पहले शुरू हुए इस कार्य को पूरा करने में अभी करीब 20 दिन और लग सकते हैं। स्थानीय हर्षित टंडन, अविनाश गुप्ता, अमरेश कुमार, पवन कुमार आदि लोगों ने बताया कि दुर्गंध से हाल–बेहाल हो रहा है। वहीं, बड़े वाहनों के निकलने में काफी परेशानी होती है।

पुराने शहर के कंघी टोला में पानी संकट, लोगों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ ,(संवाददाता)।सराय माली खां इलाके के कंघी टोला में करीब एक महीने से पेयजल की किल्लत है। सोमवार को स्थानीय लोगों ने जलकल के ऑफिस और पार्षद के घर के बाहर प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि दो हजार से अधिक की आबादी को पानी काफी दूर से लाना पड़ता है। कई बार शिकायत की गई, मगर कुछ नहीं हुआ। पार्षद भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। टैंकर भी नहीं लगाया जा रहा है। इस बारे में जलकल जोन छह के अधिशासी अभियंता अनिल कुमार गुप्ता का कहना है कि इलाके में एक मिनी नलकूप लगा है, जिसके पाइपों में छेद हो गए हैं। इससे पानी की आपूर्ति कम हो रही है। नए पाइप डाले जा रहे हैं।

बिजली कटौती, निजीकरण और यूरिया खाद की किल्लत को लेकर कांग्रेस का हल्लाबोल

लखनऊ ,(संवाददाता)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। यह प्रदर्शन बिजली काटौती, निजीकरण और यूरिया खाद की किल्लत के विरोध में किया जाएगा। सभी जिला ध्तहसीलध्ब्लाक मुख्यायलों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाएगा। वहीं, कांग्रेस पंचायत चुनाव अकेले लड़ेगी। इस चुनाव के जरिए वह 2027 विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकेगी। यही वजह है कि संगठन सृजन में एड़ी चोटी का जोर लगाया जा रहा है। हर कार्यकर्ता को एकता का पाठ पढाया जा रहा है। बूथ को सक्रिय करके पंचायत चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की जा रही है। सोमवार को कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में भी संगठन सृजन को 2027 फतह का मूल मंत्र बताया गया। बैठक में मौजूद प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि संगठन सृजन सिर्फ कार्यकारिणी गठित करने के लिए नहीं हो रहा है बल्कि यह एक ऐसा प्रदेश व्यापी अभियान है जिसका लक्ष्य 2027 का विधानसभा चुनाव है। हम आगामी पंचायत चुनाव में अपने दम पर लड़ेंगे और इन्हीं चुनावों में 2027 के रण का बिगुल फूंक देंगे। पहला चरण 15 अगस्त 2025 तक बूथ स्तर तक की कार्यकारिणी गठित कर पूरा हो जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जनता का आक्रोश दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अब वह समय दूर नहीं जब लोग अपने वोट की चोट से इस तानाशाही सरकार को बदल देंगे। इस दौरान पूर्व सांसद पीएल पुनिया, एपी गौतम एवं रविप्रकाश वर्मा, विधायक श्री वीरेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री श्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, अनिल यादव आदि मौजूद रहे। संगठन सृजन अभियान के तहत समीक्षा बैठकें 16 जुलाई से पश्चिम जोन के मेरठ से शुरू हुई हैं।

नवंबर में होगा पांच लाख करोड़ से अधिक का भूमि पूजन समारोह

लखनऊ ,(संवाददाता)। पांच लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का भूमि पूजन समारोह नवंबर में होगा। इस संबंध में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने समारोह की तैयारियों की समीक्षा की, जिसमें बताया गया कि पांच लाख करोड़ का निवेश तैयार है, जिसके नवंबर तक 10 लाख करोड़ रुपये पहुंचने की संभावना है। इसे सफल बनाने के लिए चीन, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, यूएई, कतर और कनाडा आदि देशों में अंतरराष्ट्रीय रोड शो होंगे। पिकप भवन स्थित इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में आयोजित बैठक में नंदी ने मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) पोर्टल का उद्घाटन किया। पोर्टल निवेशकों और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच सेतु का काम कर रहे उद्यमी मित्रों के काम को सुव्यवस्थित करेगा। औद्योगिक विकास मंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद से प्रदेश में जिस तरह से औद्योगिक विकास ने गति पकड़ी है, उसे लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए कर्मचारियों की जरूरत है। इसके लिए कार्मिक कैडर रिव्यू करने, प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों को तैनात करने, प्रतिष्ठित्त संस्थानों के युवाओं को कैंपस इंटरव्यू व अन्य प्रक्रिया के तहत इस मुहिम से जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में विजय किरण आनन्द, सचिव औद्योगिक विकास प्रांजल यादव, विशेष सचिव औद्योगिक विकास एवं एमडी पिकप पीयूष वर्मा, विशेष सचिव सीवी सिंह आदि थे। समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि भूमि पूजन समारोह में 12 लाख 10 हजार 274 करोड़ रुपये की 16478 परियोजनाएं शामिल हुईं। इनमें से चार लाख 33 हजार 528 करोड़ की 8363 परियोजनाओं का संचालन शुरू हो गया है। वहीं सात लाख 76 हजार 746 करोड़ की 8115 परियोजनाएं शुरु होने वाली हैं। सीईओ इन्वेस्ट यूपी विजय किरण आनंद ने बताया कि हाल में दो लाख करोड़ का निवेश करने वाली 62 कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट (एलओसी) दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर यातायात में बदलाव पर डीएम को लिखा पत्र

लखनऊ ,(संवाददाता)। इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर यातायात बदलाव में जरूरी सुधार के लिए विधायक डॉ. नीरज बोरा ने डीएम विशाख जी को पत्र लिखा है। पत्र में कहा कि इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहा शहर के व्यस्ततम चौराहों में एक है। यहां यातायात पुलिस से चौराहे पर अस्थायी डिवाइडर के माध्यम से दूरी कम करने की जरूरत है। चौराहे के चारों ओर बेतरतीब खड़े होने वाले ई रिक्शा, ऑटो और टैंपो पर अंकुश लगाने व चौराहे के आसपास अतिक्रमण हटाने को भी कहा है। अमर उजाला में 20 जुलाई के अंक में इस आशय की खबर प्रकाशित हुई थी।

एफएसडीए की टीम ने सात मेडिकल स्टोर पर मारा छापा

लखनऊ ,(संवाददाता)। नकली दवा के शक में एफएसडीए टीम ने सोमवार को सात मेडिकल स्टोर में छापा मारा। टीम ने आठ नमूने जांच के लिए आगरा लैब भेजे हैं। सहायक मंडल आयुक्त ब्रजेश कुमार के निर्देश पर ड्रग इंस्पेक्टर संदेश मौर्य, विवेक कुमार सिंह ने पीजीआई स्थित तीन मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। सबसे पहले टीम पीजीआई के मेसर्स शुक्ला मेडिकोस गई। इसके बाद डॉक्टर एक्सजोन फार्मा और न्यू खालसा मेडिकल एंड सर्जिकल में छापेमारी की। इन दुकानों में मरीज व तीमारदारों की भीड़ थी, जो पीजीआई के डॉक्टर और मेडिकल स्टोर संचालकों के गठजोड़ का खुलासा करने के लिए काफी था। मरीजों ने बताया कि एजेंट पीजीआई के भीतर से सस्ती दवा दिलाने का झांसा देकर लाए हैं। मेसर्स शुक्ला मेडिकोज व न्यू खालसा मेडिकल एंड सर्जिकल में फार्मासिस्ट नहीं थे। लिहाजा तत्काल प्रभाव से शिड्यूल की औषधियों के विक्रय पर रोक लगाई गई है। टीम ने निरालानगर व उसके आसपास के चार मेडिकल स्टोर मेदांता फार्मेसी, शंबूका फार्मेसी, निराला फार्मेसी और त्रिवेणीनगर स्थित जीलैब फार्मेसी प्राइवेट लिमिटेड में भी छापा मारा। जीलैब में फार्मासिस्ट नहीं थे। ऐसे में यहां शिड्यूल की दवाओं की बिक्री रोक दी गई। सहायक आयुक्त ब्रजेश ने बताया कि नकली दवा के शक में आठ नमूने एकत्र किए गए है। इनमें से दो नमूने नॉरकोटिक्स ग्रुप के दवाओं की हैं।

धर्मातरण के मामलों के लिए बनाई सनातन हेल्पलाइन

लखनऊ ,(संवाददाता)। धर्मांतरण के मामलों में सुरक्षा देने के लिए गोमतीनगर में विश्व हिंदू रक्षा परिषद संगठन ने सनातन हेल्पलाइन कॉल सेंटर 9956016175 की शुरुआत की है। सोमवार से शुरू हुई इस सेवा के पहले ही दिन संस्था ने लखनऊ की एक पीड़िता का रेस्क्यू कराया। इस कॉल सेंटर में अलग–अलग राज्यों की डेस्क बनाई गई है। छांगुर मामले और आगरा मामले को लेकर स्पेशल हेल्पलाइन नंबर भी कॉल सेंटर से संचालित किया जा रहा है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि पीड़ित महिलाएं अपनी बात सहजता से बता सकें।

तोड़े जाएंगे डालीबाग में अलाया होम्स अपार्टमेंट के तीन अवैध तल

लखनऊ ,(संवाददाता)। डालीबाग स्थित अलाया होम्स अपार्टमेंट के तीन अवैध तलों को एलडीए तोड़ेगा, क्योंकि शासन ने एक फ्लैट खरीदार की अपील खारिज कर दी है। शासन का आदेश आने के बाद अब एलडीए बिल्डर को नोटिस जारी करेगा, जिसमें 15 दिन का मौका खुद तोड़ने और अवैध मंजिलों को खाली करने के लिए दिया जाएगा। सचिव आवास डा.बलकार सिंह की ओर से इसका आदेश भी जारी कर दिया गया है। यह अपार्टमेंट उसी यजदान बिल्डर का है, जिसका वजीरहसन रोड पर स्थित अलाया अपार्टमेंट करीब चार साल पहले अचानक ढह गया था, जिसमें दो लोगों की मौत हुई थी। अपार्टमेंट जिस जमीन पर बना है, वह एकल आवासीय है। ऐसे में उस पर दो मंजिल तक ही निर्माण किया जा सकता है। यहां फ्लैट बनाकर बेच नहीं सकते। इसके बाद भी बिल्डर ने पांच मंजिला अपार्टमेंट बना दिया और फ्लैट बेच दिए। इस पर एलडीए ने वर्ष 2022 में कार्रवाई शुरू की। नोटिस और सुनवाई के बाद ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया था। अपार्टमेंट के अवैध तलों के ध्वस्त करने के एलडीए के आदेश के खिलाफ अपार्टमेंट के निवासी कीर्ति सिंह ने शासन में अपील की थी। कहा था कि उन्होंने फ्लैट खरीदा है, जिसकी रजिस्ट्री भी है। ऐसे में यदि एलडीए को कोई कार्रवाई करनी है तो वह बिल्डर के खिलाफ करे। प्अलाया होम्स की अपील खारिज होने की जानकारी मिली है। अब बिल्डर को नोटिस जारी किया जाएगा। इसमें 15 दिन का समय उसे कब्जा खाली करने और खुद निर्माण तोड़ने के लिए दिया जाएगा। यदि वह नहीं करेगा तो एलडीए तोड़ेगा।

हर हर महादेव के जयघोष से गूंजे शिवालय

लखनऊ ,(संवाददाता)। सावन मास के दूसरे सोमवार को सभी प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। रानी कटरा स्थित बड़ा शिवाला, चौक स्थित कोनेश्वर मंदिर और राजेंद्र नगर के महाकाल मंदिर समेत अन्य शिवधामों में रात दो बजे से ही कतारें लगनी शुरू हो गईं। भक्तों ने भगवान शिव को गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और भांग अर्पित कर रुद्राभिषेक किया। मंदिरों के गर्भगृह हर हर महादेव और जय भोले के जयकारों से गूंज उठे। बड़ा शिवाला में सुबह चार बजे मंगला आरती से पूजा–अर्चना की शुरुआत हुई जो देर रात तक जारी रही। भक्तों ने महादेव से सुख–समृद्धि की कामना की। कोनेश्वर मंदिर में भी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें सुबह से लेकर देर शाम तक लगी रहीं। दिनभर मंदिर के कपाट खुले रहे। रुद्राभिषेक और जलाभिषेक के बाद शाम को ठंडाई का वितरण और फिर यजुर्वेद पाठ व महाआरती संपन्न हुई। महाकाल मंदिर में भगवान शिव का अर्धनारीश्वर रूप में शृंगार किया गया। सुबह भस्म आरती के बाद जलाभिषेक और दो बार रुद्राभिषेक हुआ। दोपहर बाद प्रसाद वितरण का आयोजन भी हुआ। कामिका एकादशी पर भक्तों ने की श्रीकृष्ण की अराधना सोमवार को कामिका एकादशी पर बीरबल साहनी स्थित खाटू श्याम मंदिर और गोल्फ सिटी स्थित इस्कॉन मंदिर में भारी संख्या में भक्त पहुंचे। पूजा–अर्चना कर सुख और शांति की कमाना की। इस्कॉन मंदिर के पुजारी श्रवण सिंह ने बताया कि कामिका एकादशी के दिन व्रत रखने और दान देने से पाप नष्ट हो जाते हैं। इस दिन भगवान विष्णु या कृष्ण को तुलसी के पत्ते अर्पित करना बेहद शुभ माना जाता है।

भगवान झूलेलाल का किया गुणगान

लखनऊ ,(संवाददाता)। श्री शिव झूलेलाल शुभम सिटी सिंधी पंचायत की ओर से सोसायटी में सोमवार को चालीहा साहिब महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। आरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान पंचायत के अध्यक्ष कन्हैयालाल चंदवानी, संतोष हिरवानी, नवीन केवल रामानी, रितेश मेघानी, सुरेश तोलानी, जेठानंद केसवानी, दिनेश साधवानी, अशोक तोलानी, ओमप्रकाश छतनानी, उमेश रश्मि चंदवानी, रतना नवलानी, संगीता केवल रामानी, ज्योति केसवानी, माला छतलानी, वैशाली साधवानी, रेखा मन ध्यान, कविता शादेजा, रेहा लखमानी, सुमित्रा रंगलानी समेत बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग मौजूद रहे।

वर्षो बाद सीएम योगी से मिले बृजभूषण शरण सिंह, बंद कमरे में हुई आधे घंटे तक बातचीत

लखनऊ ,(संवाददाता)। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर मुलाकात की। लंबे समय से एक दूसरे से दूरी बनाए दोनों नेताओं की करीब तीन साल बाद हुई मुलाकात से सियासी हलचल बढ़ गई है। इसके तरह–तरह के मायने निकाले जा रहे हैं। सीएम और पूर्व सांसद के बीच करीब आधे घंटे तक बंद कमरे में बातचीत हुई। हालांकि सोशल मीडिया पर इस मुलाकात सिर्फ शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है। वहीं, बृजभूषण शरण सिंह ने कहा सीएम प्रदेश के मुखिया हैं तो मुलाकात का कोई सियासी मायने नहीं निकाला जाना चाहिए। सीएम से मुलाकात के बाद मीडिया से हुई अनौपचारिक बातचीत में पूर्व सांसद ने हल्के–फुल्के अंदाज में कहा कि बातचीत में कोई खास बात तो नहीं थी, अलबत्ता मुलाकात होना ही खास बात है। बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह और सीएम से करीब लंबे समय से संवाद नहीं होने की बात कही जा रही है। कई बार बृजभूषण के बयानों से इस बात के कयास भी लगाए जा रहे थे कि वह सरकार से नाराज चल रहे हैं। यही नहीं, बृजभूषण ने कई बार अपने बयानों से प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। कई बार सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को छोटा भाई बताते हुए उनकी जमकर तारीफ करके भी उन्होंने सियासी चर्चाओं को जन्म दिया। कई मौकों पर पूर्व सांसद ने सीएम से मुलाकात के सवालों पर यह कहते भी रहे हैं कि जब चाहेंगे, तब सीएम से मुलाकात कर लेंगे। सीएम से मिलने में उनके साथ ऐसी कोई दिक्कत नहीं है। सोमवार की शाम को अचानक पांच कालीदास पहुंचे बृजभूषण को देख वहां के लोग भी हैरान रहे। वहीं, सूत्रों कहा कहना है कि सीएम से मिलकर बाहर निकलने बृजभूषण का बॉडी लैंग्वेज बदला हुआ था। वह अधिक प्रसन्न दिख रहे थे। माना जा रहा है कि सीएम से बृजभूषण की मुलाकात के बाद अब दोनों नेताओं के बीच एक बार फिर से संवाद के दरवाजे खुल गए हैं। वहीं, सूत्रों कहना है कि पंचायत चुनाव और फिर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भी यह मुलाकात अहम मानी जा रही है। पूर्व सांसद भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। राम मंदिर आंदोलन के दौरान भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी।

बच्ची से दुष्कर्म मामले में स्कूल के खिलाफ कार्रवाई पर जिम्मेदार कर रहे टालमटोल

लखनऊ ,(संवाददाता)। चार साल की बच्ची से स्कूल वैन में दुष्कर्म किया गया। स्कूल प्रबंधन मामले को दबाता रहा। पुलिस ने भी कार्रवाई के नाम पर आरोपी वैन चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, लेकिन शिक्षा विभाग नींद से नहीं जागा। हैरानी की बात ये है कि स्कूल के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी एक दूसरे पर टालमटोल कर रहे हैं। किसी ने भी स्कूल जाना भी मुनासिब नहीं समझा। इस मामले में शनिवार को डीआईओएस राकेश कुमार ने कहा था कि वह सोमवार को जांच टीम स्कूल में भेजेंगे। सोमवार को जब उनसे बात की गई तो पहले उन्होंने जांच की बात तो कही, लेकिन बाद में यह जिम्मेदारी बेसिक शिक्षा अधिकारी की बताकर पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने कहा कि प्री प्राइमरी स्कूल बेसिक शिक्षा विभाग के आधीन आते हैं। ऐसे में स्कूल पर कार्रवाई और जांच का अधिकार बीएसए को है। उधर, बीएसए रामप्रवेश से जब इस बारे में पूछा गया तो वह भी सीमा विवाद में घिरे नजर आए। कार्रवाई के बजाय बीएसए ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग केवल कक्षा एक से पांच तक के विद्यालयों की मान्यता और संचालन का काम देखता है। प्री स्कूल हमारे परिक्षेत्र में नहीं आते हैं। स्कूल वैन में दुष्कर्म जैसे संवेदनशील मामले में कार्रवाई के नाम पर दोनों अधिकारियों की लीपापोती ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनके जवाब शिक्षा विभाग के अफसरों के पास नहीं हैं।

अभिभावकों में डर, स्कूल में सन्नाटा

मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद स्कूल प्रबंधक भूमिगत हैं। स्कूल में सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। सोमवार को स्कूल के बाहर सन्नाटा पसरा नजर आया। भीतर कुछ कर्मचारी मौजूद थे। पूछने पर उन्होंने कुछ भी बोलने से इन्कार कर दिया। उधर, इस घटना के बाद से अभिभावकों में डर का माहौल है। अभिभावक खुद भी बच्चों को स्कूल ले जाने से कतरा रहे हैं। स्कूल के बाहर चाट का ठेला लगाने वाले राजेश ने बताया कि घटना के पहले गेट के बाहर चहल–पहल दिखती थी, लेकिन अब सन्नाटा पसरा रहता है।

दर्दनाक सड़क हादसा,दवा लेने जा रही महिला के पति की मौत, पत्नी गंभीर घायल, तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) पिहानी कोतवाली क्षेत्र के जहानी खेड़ा चौकी के अंतर्गत मनिकापुर रेलवे क्रॉसिंग के निकट दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। रेलवे क्रॉसिंग पास तेज रफ्तार ट्रक बाइक सवार की आमने–सामने की भिड़ंत हो गई। ट्रक ने बाइक सवार पति–पत्नी को टक्कर मार दी। हादसे में गजुआखेडा निवासी रत्नेश पुत्र चंद्रभान उम्र 40 वर्ष सिर पर चोट आने से गंभीर रूप से घायल हो गए व पत्नी अंजू देवी का पैर फैक्चर हो गया। पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिहानी में भर्ती

कराया जहां घायल रत्नेश को मृत घोषित कर दिया गया व पत्नी अंजू देवी को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया गया कि पति रत्नेश अपनी पत्नी की दवाई लेने जा रहा था। घटना बुधवार दोपहर की है। मनकापुर मोड निकट रेलवे स्टेशन क्रॉसिंग के निकट मोटरसाइकिल नंबर यू पी 31 बी बी 3523 एचएफ डीलक्स चालक रत्नेश कुमार उम्र करीब 40 वर्ष पुत्र चंद्रभान निवासी गजवा खेड़ा थाना पिहानी (हरदोई) अपनी पत्नी अंजू देवी के साथ दवा दिलाने जहानीखेड़ा जा रहे थे। ट्रक नंबर यू पी 23 टी 3115 टक्कर मार दिया जिससे मोटरसाइकिल सवार के घायल हो जाने की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। पिहानी पुलिस द्वारा सी एच सी पिहानी उपचार के लिए भिजवाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा रत्नेश कुमार को मृत घोषित कर दिया जिसकी पंचायत नामा की कार्रवाई कर पोस्टमार्टम भिजवा दिया गया है। ट्रक पुलिस अभिरक्षा में है ।

कार्य में निरंतरता व तीव्रता मनुष्य को ऊंचाइयों पर स्थापित करने में सहायक होती है : महेश प्रसाद

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित संस्था सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय अल्लीपुर ,हरदोई की प्रतिनिधि डॉ रश्मि द्विवेदी ने आज श्री देव दरबार आश्रम इंटर कॉलेज, सांडी, हरदोई में परिषदीय परीक्षा 2025 में सफल मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया । कार्यक्रम में अवनी राठौड़, ऋषभ गुप्ता ,आदित्य सिंह, मोहम्मद इमरान ,अर्पित कुमार, पुष्पेंद्र ,रमन मिश्रा देवांश वर्मा ,अर्पण बाजपेई तथा अबू हमजा को इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश प्रसाद ने की सर्वाधिक अंक प्राप्त कर अवनी राठौड़ ने भविष्य की योजना के बारे में बताया कि आगे चलकर वहां डॉक्टर बनना चाहती हैं कार्यक्रम का सफल संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता संजय कुमार पांडे ने किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश प्रसाद ने हम छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत का फल मीठा होता है कार्य में निरंतरता व तीव्रता मनुष्य को ऊंचाइयों पर स्थापित करने में सहायक होती है । डॉ रश्मि द्विवेदी ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे वह कदम से कदम मिलाकर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे । शिक्षा की शिक्षा ही मनुष्य का सर्वांगीण विकास कर सकती है डा रश्मि द्विवेदी जी ने अंत में विद्यालय प्रशासन व प्रबंधन की भूरि–भूरि प्रशंसा कि वह विद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष देवनारायण सिंह वह प्रबंधक राकेश सिंह का विशेष आभार जताया कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक कुमार गुप्ता सत्य प्रकाश पद्माकर इंद्रेश द्विवेदी सुधीर त्रिपाठी श्रीमती ममता यादव श्रीमती शिखा शुक्ला श्री अनूप कुमार श्री अखिलेश मौर्या आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम में विशिष्ट शिक्षकों श्री सुधीर त्रिपाठी व श्री अनूप कुमार को सम्मानित किया।

संचारी रोग अभियान के अंतर्गत सभी गांव में एंटीलार्वा के छिड़काव एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देश : डॉ प्रवीण कुमार दीक्षित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज ब्लॉक शाहाबाद कार्यालय पर खण्ड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक हुई। जिसमें इसमें बीडीओ गौरव पुरोहित द्वारा समस्त सचिवों को संचारी रोग अभियान के अंतर्गत सभी गांव में एंटीलार्वा के छिड़काव एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देश दिए गए एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रवीण दीक्षित द्वारा संचारी रोगों के बारे में जानकारी दी गई एवं दिमागी बुखार से बचाव एवं डेंगू ,मलेरिया, चिकनगुनिया, फाइलेरिया आदि रोगों से बचाव हेतु चर्चा की गई। एवं वी एच एस एन डी दिवस पर वी ए बी परिवारों के कन्वर्जन हेतु खण्ड विकास अधिकारी महोदय द्वारा समस्त सचिवों को संयोग करने हेतु बताया , इसमें प्रधान , कोटेदार ,आंगनवाड़ी , आशा , सहयोगी के माध्यम से अधिक से अधिक कन्वर्जन करने हेतु बताया

गया । तथा सैम बच्चों के चिन्हांकन एवं फॉलोअप हेतु आंगनबाड़ियों के लिए निर्देश दिए गए कि वह टीकाकरण सत्र पर वयस्क वजन मशीन ,बच्चों के वजन मशीन ,स्टेडोमीटर, इन्फैंटोमीटर आदि लॉजिस्टिक उपलब्ध रखें तथा सैम बच्चों का फॉलोअप – चिन्हांकन अवश्य करें। बैठक में वी ए वी बच्चों की सूची भी शेयर की गई जिससे अधिक अधिक छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण हो सके। बैठक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रवीण दीक्षित, डिप्टी सीवीओ रघुवीर सिंह, एडीओ पंचायत जितेन्द्र कुमार , रजनीश कुमार एस टी ए ई, आलोक कुमार (शिक्षा विभाग), धीरेन्द्र मिश्रा(बीसी–आईसीडीएस विभाग), बी.एम.सी. अभय सिंह (यूनिसेफ) , फील्ड मॉनिटर प्रेम प्रकाश अग्निहोत्री (डब्ल्यू एच ओ), रूपेश वर्मा(ए आर ओ), समस्त सचिव उपस्थित रहे ।

परिषदीय परीक्षा 2025 में सफल मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित संस्था सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय अल्लीपुर ,हरदोई की प्रतिनिधि डॉ रश्मि द्विवेदी ने आज श्री देव दरबार आश्रम इंटर कॉलेज, सांडी, हरदोई में परिषदीय परीक्षा 2025 में सफल मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया । कार्यक्रम में अवनी राठौड़, ऋषभ गुप्ता ,आदित्य सिंह, मोहम्मद इमरान ,अर्पित कुमार, पुष्पेंद्र ,रमन मिश्रा देवांश वर्मा ,अर्पण

बाजपेई तथा अबू हमजा को इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश प्रसाद ने की सर्वाधिक अंक प्राप्त कर अवनी राठौड़ ने भविष्य की योजना के बारे में बताया कि आगे चलकर वहां डॉक्टर बनना चाहती हैं कार्यक्रम का सफल संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता संजय कुमार पांडे ने किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश प्रसाद ने हम छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहनत का फल मीठा होता है कार्य में निरंतरता व तीव्रता मनुष्य को ऊंचाइयों पर स्थापित करने में सहायक होती है । डॉ रश्मि द्विवेदी ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे वह कदम से कदम मिलाकर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे । शिक्षा की शिक्षा ही मनुष्य का सर्वांगीण विकास कर सकती है डा रश्मि द्विवेदी जी ने अंत में विद्यालय प्रशासन व प्रबंधन की भूरि–भूरि प्रशंसा कि वह विद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष देवनारायण सिंह वह प्रबंधक राकेश सिंह का विशेष आभार जताया कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक कुमार गुप्ता सत्य प्रकाश पद्माकर इंद्रेश द्विवेदी सुधीर त्रिपाठी श्रीमती ममता यादव श्रीमती शिखा शुक्ला श्री अनूप कुमार श्री अखिलेश मौर्या आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम में विशिष्ट शिक्षकों श्री सुधीर त्रिपाठी व श्री अनूप कुमार को सम्मानित किया।

कर्ज में डूबे बीटेक का छात्र बना साइबर अपराधी,लाखों रुपए किए ठगी मुख्य आरोपी सहित सात गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर पुलिस ने सरायख्वाजा में एक साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। सर्विलांस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक 10 हजार का इनामी अपराधी भी शामिल है।इस मामले का बुधवार को खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि गिरोह ने दो अलग–अलग मामलों में लोगों को ठगा। पहला मामला 21 जून का है। कौशांबी के चरवा गांव निवासी सचिन कुमार मिश्र को फेसबुक पर ट्रैक्टर का विज्ञापन दिखाकर आदमपुर पुलिया के पास बुलाया गया। वहां उनसे एक लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवाकर आरोपी फरार हो गए। दूसरा मामला 19 जुलाई का है। प्रयागराज के खीरी निवासी विनोद कुमार पांडेय को भैंस बेचने के बहाने सरायख्वाजा के पुंछा सिवान गांव ले जाया गया। आरोपियों ने तीन लाख रुपये की मांग की और विरोध करने पर मारपीट की। पुलिस ने सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कुतुपुर चौराहे के मंदिर से पांच आरोपियों को पकड़ा। बाद में सफेद अपाचे बाइक पर आए दो और आरोपी गिरफ्तार हुए। आरोपियों से 4,200 रुपये नकद, एक रियलमी मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। जांच में पता चला कि गिरोह का सरगना जितेंद्र यादव बी.टेक पास है। वह फेसबुक पर ट्रैक्टर और भैंस बेचने के फर्जी विज्ञापन देता था। गैंग के सदस्य पहले से सुनसान जगहों पर मौजूद रहते थे। शिकार को वहां बुलाकर पैसे ऑनलाइन ट्रांसफर करवाते थे। कुछ मामलों में मारपीट कर अतिरिक्त पैसों की मांग भी करते थे। पुलिस ने गिरोह के खिलाफ गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है।बीटेक पास इंजीनियर जितेन्द्र यादव ने पुलिस की पूछताछ में बताया कर्ज से परेशान होकर उसने साइबर अपराध करना शुरू किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में जितेंद्र कुमार यादव (30) पुत्र राम अंजोर निवासी ग्राम धरौली जिला प्रतापगढ़, विद्यासागर प्रजापति पुत्र संतोष प्रजापति, निवासी बरिया काजी सरायख्वाजा,विवेक प्रजापति पुत्र शिव कुमार प्रजापति सरायख्वाजा, अरविंद वर्मा पुत्र कृपा शंकर वर्मा निवासी आदमपुर सरायख्वाजा, आलोक कुमार यादव, पुत्र जीत बहादुर यादव निवासी आदमपुर सरायख्वाजा, धनंजय यादव पुत्र स्व संग्राम यादव निवासी चुरावनपुर थाना बक्शा, राहुल यादवपुत्र राम बली यादव निवासी सरौली थाना तेजीबाजार शामिल है।

विभिन्न मार्गों पर अयोध्या धाम से हो रहा 143 बसों का संचालन – आदित्य प्रकाश

अयोध्या।इस समय विभिन्न मार्गों पर अयोध्या डिपो से 143 रोडवेज बसों का संचालन हो रहा है।जिसमें 116 बसें रोडवेज विभाग की है तथा 27 बसें परिवहन विभाग से अनुबंधित हैं।यह बातें सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने बताई।उन्होंने बताया कि पर्याप्त संख्या में संचालित रोडवेज बसों के चलते रामनगरी आने वाले बस यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ रहा है।वहीं बीच–बीच में अयोध्या में आयोजित विभिन्न मेलों कार्यक्रमों के अलावा प्रमुख त्योहारों पर रोडवेज बसों की संख्या में बढ़ोतरी भी की जाती है।बताया कि आने वाले रक्षाबंधन पर्व पर रोडवेज बसों की संख्या की संख्या मे बढ़ोतरी के लिए मुख्यालय से मांग की जाएगी।बताया कि इस समय अयोध्या रोडवेज बस स्टेशन से यात्रियों की सुविधा को देखते हुए मथुरा,विंध्याचल,वाराणसी, वृंदावन,दिल्ली, टनकपुर,सहित कई महानगरों के लिए बसों का संचालन हो रहा है।बताया कि परिवहन विभाग को उस समय काफी हानि होती है जब किसी पर्व,त्योहार या फिर आयोजन को लेकर प्रशासन द्वारा हाइवे व विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गो पर रूट डायवर्जन किया जाता है।क्योंकि रोडवेज बसों का संचालन काफी कम दूरी तक ही हो पाती है,जिसके चलते परिवहन विभाग को लाखों रुपये की राजस्व की हानि हो रही है।

पीयू एप्लाइड साइकोलॉजी के दो छात्र यूजीसी–नेट परीक्षा में उत्तीर्ण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग के दो विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय एवं विभाग का नाम गौरवान्वित किया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा आयोजित यूजीसी–नेट

जून 2025 परीक्षा का परिणाम 21 जुलाई को जारी हुआ, जिसमें विभाग की छात्रा उजमा खान, पुत्री मोहम्मद मारूफ खान, तथा छात्र रजनीश कुमार मौर्य, पुत्र विश्वनाथ मौर्य ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। इस उपलब्धि पर विभाग में हर्ष और गर्व का वातावरण है। छात्रों की इस उपलब्धि पर बुधवार को फैकल्टी ऑफ एप्लाइड सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज के डीन प्रो. मनोज मिश्रा, एप्लाइड साइकोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्राध्यापक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. मनोज कुमार पांडेय एवं डॉ. अन्नु त्यागी ने दोनों विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पत्नी की हालत गंभीर, पति ने अधिकारियों से किया दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

बस्ती, (संवाददाता)। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के पकरी चन्दा निवासी रामवेलास पुत्र स्वर्गीय भद्दई ने पुलिस उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर कहा है कि गांव के ही अंगद पुत्र रामकेश से चननी और रास्ते को लेकर लम्बे समय से विवाद चल रहा था। गत 26 जून को उनके बड़े भाई रामसुमेर से अंगद का विवाद चल रहा था। अंगद राम सुमेर को मार पीट रहे थे इस बीच रामवेलास की पत्नी गीता देवी जब बीच बचाव करने पहुंची तो अंगद आदि ने उसे बुरी तरह से मारा पीटा। गीता देवी का इलाज जिला अस्पताल बस्ती में किया गया, उसके बाद अब संतकबीरनगर जनपद के बन्हवा इलाज में चल रहा है जहां उनकी स्थिति गंभीर है। मुण्डेरवा पुलिस ने इस मामले में राम वेलास की तहरीर पर गांव के ही अंगद, उसकी पत्नी सोनम, रामकेश पुत्र दयाराम के विरूद्ध बी.एन.एस. की धारा 115 (2), 352 और 351 (3) में नामजद मुकदमा पंजीकृत किया है। पकरी चन्दा निवासी रामवेलास ने पत्र में कहा है कि मुण्डेरवा पुलिस नाजमद अभियुक्तों को गिरफ्तार नहीं कर रही है इससे उनका मनोबल बढ गया है। उनकी पत्नी की स्थिति गंभीर है। उक्त लोग आये दिन धमकियां दे रहे हैं। मांग किया कि धाराओं में वृद्धि करने के साथ ही दोषियों को गिरफ्तार किया जाय।

यातायात नियमों का पालन करना नैतिक जिम्मेदारी, सख्ती से नहीं हो सकता सुधार राजीव

भदोही, (संवाददाता)। देश में हर दिन सड़क दुर्घटना में 45 हजार लोगों की मौत होती है। नियमों की अनदेखी से ज्यादातर युवा सड़क दुर्घटना के शिकार होते हैं। यह बातें सीओ यातायात राजीव सिंह ने सोमवार को गोपीगंज के गुरूकुलम शिक्षण संस्थान में अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से आयोजित पुलिस की पाठशाला में बच्चों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि संयम और अनुशासन से न सिर्फ हम सड़क दुर्घटनाओं से बच सकते हैं, बल्कि परिवार और समाज के लिए भी बेहतर योगदान दे सकते हैं। हर व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह बनाए गए नियमों का खुद पालन करें और दूसरों को भी उसके लिए प्रेरित करें। कई बार हमारी छोटी सी गलती, जिंदगी भर के लिए पछतावे का कारण बनती है। उन्होंने अमर उजाला के पहल की सराहना की। कहा कि इस तरह के जागरूकता वाले कार्यक्रम से हमारी पीढ़ियां जागरूक होती हैं। उन्होंने बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ–साथ यह भी बताया कि किस तरह ट्रैफिक नियमों का पालन कर हम दुर्घटनाओं को कम कर सकते हैं। बताया कि हर बच्चा खुद भी जागरूक हो और अपने घर में भी बड़ों को जागरूक करें तो निश्चित तौर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा। पुलिस हर जगह सख्ती से नहीं निपट सकती, इसलिए हमें अपनी जिम्मेदारियों का आभास होना बहुत जरूरी है। इस दौरान प्रबंधक रोहित सिंह, प्रधानाचार्य अमरेन्द्र कर्ण, पंकज सिंह, बालेश्वर सिंह, गौरव कुमार, लवली अग्रवाल समेत 200 से अधिक बच्चे रहे। सिविल व यातायात पुलिस में कोई अंतर नहीं है। बस हमारी जिम्मेदारी थोड़ी अलग होती है। हम यातायात प्रबंधन के लिए काम करते हैं। यातायात पुलिस की जिम्मेदारी यातायात प्रबंधन के साथ जाम रोकने और दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात नियमों का पालन कराने की होती है।

भद्रेश्वरनाथ में कावड़ियों की सेवा के लिये खोया पाया शिविर का उद्घाटन

बस्ती, (संवाददाता)। सोमवार को होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कांवड़ियों की सेवा के लिये समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष समाजसेवी जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में भद्रेश्वरनाथ में लगाये गये खोया पाया शिविर का उद्घाटन किया। कहा कि शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा पुनीत कार्य है। अक्सर कांवड़ियों का समूह आस्था की भारी भीड़ में एक दूसरे से बिछड़ जाता है। ऐसे में खोया पाया शिविर बहु उपयोगी है।समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष समाजसेवी जय प्रकाश गोस्वामी ने कहा कि पिछले 34 वर्षो से जन सेवा कार्य जारी है, बिछड़ों को मिलाने में उन्हें अपार प्रसन्नता होती है। खोया पाया शिविर के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से सिद्धार्थ मिश्र, अरविन्द सिंह, विवेक मिश्र, सी.ए. अजीत चौधरी, महेन्द्र प्रताप चौधरी, डब्लू सिंह, विजय प्रकाश गोस्वामी, राजेश गिरी, पशुपति गोस्वामी, मिन्टू गिरि, रमेश गिरी, आजाद गोस्वामी के साथ ही कांवड़िये भी शामिल रहे।

सावन के दूसरे शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु

प्रयागराज, (संवाददाता)। सावन मास के दूसरे सोमवार को प्रयागराज में शिवभक्ति की अनुपम छटा देखने को मिली। तड़के भोर से ही मनकामेश्वर मंदिर सहित शहर एवं ग्रामीण अंचलों के मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। हर ओर ष्हर हर महादेवष् और ष्बोल बमष् के जयघोष गूंज रहे थे। श्रद्धा, आस्था और भक्ति से भरे इस वातावरण में हर भक्त भोलेनाथ की शरण में पहुंचा, अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए जल, दूध, बेलपत्र और धतूरा चढ़ाया। गंगा जल से भरे कलश सिर पर लिए भक्तों की टोली मंदिर की ओर बढ़ती रही। कुछ श्रद्धालु कांवड़ यात्रा के माध्यम से पहुंचे, तो कई स्थानीय लोग परिवार सहित मंदिर में दर्शन के लिए आए। विशेष तौर पर युवाओं और महिलाओं की भारी भागीदारी रही। मंदिर परिसर में रुद्राभिषेक और विशेष पूजन के साथ भक्ति गीतों और मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंग गया। सावन महीने के दूसरे सोमवार पर यमुना तट पर स्थित पौराणिक श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर सहित शहर और ग्रामीण अंचलों में स्थित शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। भोर से ही भक्तों का तांता लगा रहा। भक्तों ने दुग्ध, घी, हल्दी, अक्षत, चंदन, बेलपत्र, पुष्प आदि का अर्पण कर महादेव की आरती उतारी। भक्तों ने जलाभिषेक भी किया। श्री मनकामेश्वर मंदिर पर एक किलोमीटर से अधिक लंबी कतार लगी रही। यहां पर भारी पुलिस बाल तैनात किया गया। इसी तरह सिविल लाइंस हनुमत निकेतन स्थित शिव मंदिर में भी भक्तों की लंबी कतार लगी रही। सुबह से ही तांबे और पीतल के लोटे में जल लेकर महिलाओं ने देवाधिदेव महादेव का अभिषेक किया। व्रती महिलाओं ने मिष्ठान, भांग, दुग्ध, बेल पत्र आदि।

डीडीओ व सीवीओ ने मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट एवं बहुउद्देशीय सचल पशु चिकित्सा वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

अयोध्या। बुधवार को जिले में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत एफ०एम०डी० टीकाकरण के छठे चरण का "फ्लैग आफ" करते हुए जिला विकास अधिकारी एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी इंद्रदेव द्वारा मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट एवं बहुउद्देशीय सचल पशु चिकित्सा वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।इस मौके पर राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत खुरपका मुंहपका टीकाकरण छठा चरण पूरे

जनपद में एक साथ प्रारम्भ किया गया।अभियान की अवधि 45 दिन की होगी। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के सघन टीकाकरण अभियान में 4 माह से अधिक उम्र के सभी गोवंशीय एवं महिष वंशीय पशुओं तथा सात माह तक की गर्भित मादा पशुओं का बीमारी से बचाव हेतु टीकाकरण किया जायेगा। प्रत्येक विकास खण्ड पर टीकाकरण हेतु टीमें बना दी गयी हैं।इस मौके पर पशु चिकित्साधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारी एवं मैत्रीधरावेट कार्य करेंगे। ब्लाक स्तरीय पशु चिकित्साधिकारी के निर्देशन में टीमें कार्य करेंगी।

एक बार फिर से कम होने लगा गंगा का जलस्तर

भदोही, (संवाददाता)। लगातार बढ़ रहे गंगा के जलस्तर में सोमवार से एक बार फिर से घटाव शुरू हो गया है। बीते 24 घंटे में 50 सेंटीमीटर पानी कम हुआ है। इससे अब तटवर्ती क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है। रविवार को गंगा के जलस्तर ने बीते का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। रविवार को जलस्तर 78.20 मीटर दर्ज किया गया था। बीते साल 15 सितंबर को 78 मीटर तक जलस्तर पहुंचा था। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बारिश के कारण बीते एक सप्ताह से गंगा में तेजी से पानी बढ़ रहा था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो० – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।